



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1986/भाद्र 22, 1908

No. 428]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1986/BHADRA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1986

प्रवृत्तना

सा.जा.वि. 1080(घ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तु और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए और भारतीय सेवापरीक्षा और सेवा विभाग में भारत की शक्तियों
के संबंध में नियंत्रक-महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, निम्न-
लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय
सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1986 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1986 को प्रवृत्त हुए माने जाएंगे।

2. सरकारी सेवकों के प्रवर्ग जिनको नियम लागू होंगे—

(1) इन नियमों द्वारा या उनके अधीन जैसा धन्यथा उपबंधित है,
उनके सिवाय, ये नियम संघ के कार्यकलापों के संबंध में सिविल सेवाओं
और पर्वों पर नियुक्त व्यक्तियों को जिनका वेतन सिविल प्राकलन में
विकसनीय है, और ऐसे व्यक्तियों को भी जो भारतीय सेवा परीक्षा और
सेवा विभाग में सेवा करते हैं, लागू होंगे।

(2) ये नियम निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे—

- (क) ऐसे सरकारी सेवक जो समूह "क" सेवा में हैं या कोई समूह
"क" पर धारण किए हुए हैं;
- (ख) ऐसे व्यक्ति जो अंडोरा संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक के प्रशास-
निक नियंत्रण के अधीन केन्द्रीय सिविल सेवाओं और समूह
"क", "ख" और "ग" के पदों पर नियुक्त हैं;
- (ग) मूलपूर्व भारतीय राज्यों के ऐसे स्थायी कर्मचारी जिन्हें संघ
के कार्यकलापों के संबंध में सिविल सेवाओं और पर्वों पर अमे-
लित किया गया है, किंतु जो केन्द्रीय सिविल सेवा (भाग ख
राज्य स्थानांतरित कर्मचारी) नियम, 1953 के अधीन सेवा की
आमेलन-पूर्व शर्तों से शासित होते हैं;
- (घ) ऐसे व्यक्ति जिन्हें विदेश में राजनयिक, कौंसलीय या अन्य
भारतीय स्थापनों में सेवाओं के लिए स्थानीय रूप से भर्ती किया
गया है;
- (ङ) ऐसे व्यक्ति जो पूर्ण-कालिक नियोजन में नहीं हैं;
- (च) ऐसे व्यक्ति जिन्हें आपात्स्थितियों में से संदाय किया जाता है;
- (छ) ऐसे व्यक्ति जिन्हें मासिक आधार से धन्यथा संदाय किया जाता
है जिनके अंतर्गत ऐसे व्यक्ति भी हैं जिनको केवल मात्रानुपाती
आधार पर संदाय किया जाता है;

- (ज) ऐसे व्यक्ति जो, वहाँ के सिवाय जहाँ संविदा में अन्यथा उप-बंधित है, संविदा पर नियोजित हैं;
- (म) ऐसे व्यक्ति जो सेवा नियुक्ति के पश्चात् सरकारी सेवा में पुनर्नियोजित हैं;
- (अ) किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्ति जिन्हें राष्ट्रपति, प्रादेश द्वारा, इन नियमों में प्रस्तावित पदों या किन्हीं उपबंधों के प्रवर्तन से विनिवृष्ट रूप से प्रयोजित करें।

3 परिभाषाएँ

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रपेक्षित न हो—

(1) "मूल वेतन" से मूल नियम 9(2)(क)(i) में यथापरिभाषित वेतन अभिप्रेत है;

(2) किसी सरकारी सेवक के संबंध में "विद्यमान वेतनमान" से बाह्य किसी अधिष्ठायी या स्थानापन्न हैसियत में 1 जनवरी, 1986 को सरकारी सेवक द्वारा धारित पद को लागू वर्तमान वेतनमान (या, यथास्थिति, उसको लागू वैयक्तिक वेतनमान) अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण: ऐसे किसी सरकारी सेवक की वषा में जो 1 जनवरी, 1986 को भारत के बाहर प्रतिनियुक्ति या छुट्टी पर या अन्यथा सेवा में था या जो उस तारीख को, एक या अधिक निम्नतर पदों पर स्थानापन्न रहता यदि वह किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न नहीं होता, "विद्यमान वेतनमान" के अन्तर्गत उस पद को लागू वह वेतनमान भी है जिसे वह धारणा करता। यदि वह भारत के बाहर प्रतिनियुक्ति पर या छुट्टी पर या अन्यथा सेवा में नहीं होता या, यथास्थिति किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न नहीं होता।

(3) पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध में "वर्तमान वेतनमान" से उसके स्तंभ 3 में उस पद के सामने विनिर्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है;

(4) "पुनरीक्षित उपलब्धियों" से पुनरीक्षित वेतनमान में किसी सरकारी सेवक का मूल वेतन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त, उसे अनुज्ञेय पुनरीक्षित प्रैक्टिस बंदी भत्ता, यदि कोई है, भी है;

(5) पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध में "पुनरीक्षित वेतनमान" से उसके स्तंभ 4 में उस पद के सामने विनिर्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है, जब तक कि उस पद के लिए कोई भिन्न पुनरीक्षित वेतनमान पृथक् रूप से अधिसूचित नहीं किया जाता है; और

(6) "अनुसूची" से इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

4. पदों का वेतनमान—इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से, पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक पद का वेतनमान वह होगा जो उसके स्तंभ 4 में उसके सामने विनिर्दिष्ट है।

5. पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करना—इन नियमों में जैसा अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय, सरकारी सेवक उस पद को, जिस पर वह नियुक्त किया गया है, लागू पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करेगा:

परन्तु कोई सरकारी सेवक उस तारीख तक विद्यमान में वेतन प्राप्त करते रहने का निश्चय कर सकेगा जब तक कि वह विद्यमान वेतनमान में अपनी भगली या कोई पश्चात्पूर्वी वेतन वृद्धि प्रजित नहीं कर लेता है या जब तक कि वह अपना पद रिक्त नहीं कर देता है या उस वेतनमान में वेतन प्राप्त करना बंद नहीं कर देता है।

स्पष्टीकरण: 1. इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतनमान की बाबत अनुज्ञेय होगा।

स्पष्टीकरण-2 पूर्वोक्त विकल्प ऐसे किसी व्यक्ति की अनुज्ञेय नहीं होगी जो 1 जनवरी, 1986 की पश्चात् उसके पश्चात् किसी पद पर बाह्य सरकारी सेवा में पहली बार, या किसी अन्य पद से स्थानांतरण या प्रोन्नति द्वारा, नियुक्त किया गया है और उसे केवल पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्रयोजित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण-3: जहाँ कोई सरकारी सेवक नियमित आधार पर स्थानापन्न हैसियत में उसके द्वारा धारित किसी पद की बाबत विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करने के लिए मूल नियम 22 या मूल नियम 31 या उस पद की लागू किसी अन्य नियम या प्रादेश के अधीन उस वेतनमान में वेतन के विनियमन के प्रयोजन के लिए इस नियम के परन्तुक के अधीन विकल्प का प्रयोग करता है, तो उसका अधिष्ठायी वेतन वह अधिष्ठायी वेतन होगा जिसे वह तब प्राप्त करता जब वह उस स्थायी पद की बाबत विद्यमान वेतनमान प्रतिधारित करता जिस पर उसका कोई धारणाधिकार है या धारणाधिकार होता यदि धारणाधिकार समाप्त नहीं किया गया होता, या स्थानापन्न पद का वेतन, जिनसे तत्समय प्रयुक्त किसी प्रादेश के अनुसार अधिष्ठायी वेतन का रूप ले लिया है, इन दोनों में से जो भी अधिक हो, होगा।

6. विकल्प का प्रयोग:—(1) नियम 5 के परन्तुक के अधीन विकल्प का प्रयोग दूसरी अनुसूची से उपावद्ध प्रत्येक में निश्चित रूप में किया जाएगा जिससे कि वह इन नियमों के प्रकाशन की तारीख के तीन मास के भीतर, या जहाँ विद्यमान वेतनमान उस तारीख के पश्चात् किए गए किसी प्रादेश द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, वहाँ ऐसे प्रादेश की तारीख के तीन मास के भीतर, उपनियम (2) में वर्णित प्राधिकारी को पहुँच जाए;

परन्तु यह कि:—

(i) ऐसे किसी सरकारी सेवक की वषा में जो यथास्थिति ऐसे प्रकाशन की तारीख को या ऐसे प्रादेश की तारीख को, भारत के बाहर छुट्टी पर या प्रतिनियुक्ति या अन्यथा सेवा या सक्रिय सेवा में है, तो उक्त विकल्प का प्रयोग लिखित रूप में किया जाएगा जिससे कि वह भारत में उसके पद का भारग्रहण करने की तारीख के तीन मास के भीतर उक्त प्राधिकारी को पहुँच जाए; और

(ii) जहाँ कोई सरकारी सेवक 1 जनवरी, 1986 को निवृत्तनाधीन है वहाँ विकल्प का प्रयोग उसके छुट्टी पर वापस आने की तारीख के तीन मास के भीतर किया जा सकेगा, यदि वह तारीख इस उपनियम में विहित तारीख से बाद में है।

(2) विकल्प सरकारी सेवक द्वारा अपने कार्यालय के प्रधान को संसूचित किया जाएगा।

(3) यदि विकल्प की बाबत संसूचना उपनियम (1) में वर्णित समय के भीतर प्राप्त नहीं की जाती है तो सरकारी सेवक के बारे में यह माना जाएगा कि उसने 1 जनवरी, 1986 से ही पुनरीक्षित वेतनमान से शासित होने के विकल्प का चयन कर लिया है।

(4) एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अन्तिम होगा।

टिप्पण: 1—ऐसे व्यक्ति जिनकी सेवाओं को 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् समाप्त किया गया था और जो मृत्यु, भंगूर किए गए पदों की समाप्ति पर सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, अनुशासनिक आधारों पर पदभ्रष्ट या सेवानिवृत्ति के कारण विहित समय परिसीमा के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, इस नियम के फायदों के हकदार हैं।

टिप्पण 2—ऐसे व्यक्तियों के बारे में जिनकी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् मृत्यु हो गई थी और जो विहित समय परिसीमा के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, यह माना जाएगा कि उन्होंने 1 जनवरी, 1986 से ही, या उसी पश्चात्पूर्वी तारीख से जो उनके प्राप्ति के लिए सर्वाधिक फायदाप्रदाय पुनरीक्षित वेतनमान में विकल्प का चयन

कर लिया है, यदि पुनरीक्षित वेतनमान अधिक अनुमूल हों और ऐसे मामलों में, बकाया के संदाय के लिए आवश्यक कार्रवाई कार्यालय के प्रधान द्वारा की जानी चाहिए।

7. पुनरीक्षित वेतनमान में प्रारम्भिक वेतन का नियत किया जाना—

(1) ऐसे किसी सरकारी सेवक का जो 1 जनवरी, 1986 से ही पुनरीक्षित वेतनमान द्वारा शासित होने का चयन करता है या जिसके बारे में यह माना जाता है कि उसने नियम 6 के उपनियम (3) के अधीन उसका चयन किया है, प्रारम्भिक वेतन, जब तक कि राष्ट्रपति किसी मामले में विशेष प्रादेश द्वारा अन्यथा निर्देशित न करे, उस स्थायी पद पर जिस पर उसका धारणाधिकार है या धारणाधिकार होता यदि वह निर्दिष्ट नहीं किया जाता, उसके अधिष्ठायी वेतन की बाबत और उसके द्वारा धारित स्थानापन्न पद में उसके वेतन की बाबत निम्नलिखित रीति में पृथक् रूप से नियत किया जाएगा; अर्थात्—

(i) (अ) सभी कर्मचारियों की दशा में, 75 रुपए के न्यूनतम के अधीन रहते हुए विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन के 20 प्रतिशत को कपित करने वाली रकम कर्मचारी की "विद्यमान उपलब्धियों" में जोड़ी जाएगी।

(ii) विद्यमान उपलब्धियों की इस प्रकार वृद्धि किए जाने के पश्चात् वेतन इस प्रकार संगणित रकम के ठीक अगले प्रक्रम पर पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा।

परन्तु यह कि—

(क) यदि पुनरीक्षित वेतनमान का न्यूनतम इस प्रकार अवधारित रकम से अधिक है, तो वेतन पुनरीक्षित वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा;

(ख) यदि इस प्रकार अवधारित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक है तो वेतन उस वेतनमान के अधिकतम पर नियत किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—इस खण्ड के प्रयोजन के लिए "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत निम्नलिखित होगा:—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन;

(ख) औसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता; और

(ग) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्त की रकम।

(घ) ऐसे कर्मचारियों की दशा में जिन्हें विद्यमान वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जहाँ विशेष वेतनवेध वाले विद्यमान वेतनमान के स्थान पर ऐसा वेतन रखा गया है जिसमें कोई विशेष वेतन नहीं है, वहाँ वेतन उपरोक्त खण्ड (अ) के उपबंधों के अनुसार पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा, सिवाए इसके कि ऐसे मामलों में "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत निम्नलिखित होगा:—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन;

(ख) विशेष वेतन की विद्यमान रकम;

(ग) सुसंगत प्रादेशों के अधीन औसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन और विशेष वेतन के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता; और

(घ) सुसंगत प्रादेशों के अधीन विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन और विशेष वेतन पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्तों की रकम

(इ) ऐसे कर्मचारियों की दशा में जिन्हें विद्यमान वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जिनके मामले में विशेष वेतन या तो उसी दर पर या किसी भिन्न दर पर पुनरीक्षित वेतनमान सहित बना हुआ है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उपरोक्त खण्ड (अ) के उपबंधों के अनुसार उसके स्पष्टीकरण के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियों के प्रतिनिवेश से मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता के प्रति निर्देश से उस पर अनुज्ञेय विद्यमान विशेष वेतन और रकम का अपवर्जन करने के पश्चात् नियत किया जाएगा और ऐसे मामलों में नई दर पर विशेष वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त प्राप्त किया जाएगा;

(ई) ऐसे चिकित्सा अधिकारियों की दशा में जिन्हें व्यवसाय-निषेध भत्ता मिल रहा है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उपरोक्त खण्ड (अ) के उपबंधों के अनुसार नियत किया जाएगा सिवाए इसके कि ऐसे मामलों में "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत केवल निम्नलिखित होगा:—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन;

(ख) सुसंगत प्रादेशों के अधीन औसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन और प्रैक्टिस बंदी भत्ता के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता; और

(ग) सुसंगत प्रादेशों के अधीन विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन और प्रैक्टिस बंदी भत्ता पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्तों की रकम;

और ऐसे मामलों में नई दरों पर प्रैक्टिस बंदी भत्ता पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त प्राप्त किया जाएगा;

टिप्पण 1—जहाँ कोई सरकारी सेवक कोई स्थायी पद धारण किए हुए है और नियमित आधार पर किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न कार्य कर रहा है और इन दोनों पदों को लागू वेतनमानों का एक वेतनमान में विलय कर दिया गया है, वहाँ वेतन केवल स्थानापन्न पद के प्रतिनिवेश से इस उपनियम के अधीन नियत किया जाएगा और इस प्रकार नियत वेतन अधिष्ठायी वेतन माना जाएगा।

इस टिप्पण के उपबंध यथा आवश्यक परिवर्तनों सहित, ऐसे सरकारी सेवकों को लागू होंगे जो विभिन्न विद्यमान वेतनमानों पर स्थानापन्न हैमियत में पदों को धारण किए हुए हैं, जिनके स्थान पर एक पुनरीक्षित वेतनमान रख दिया गया है।

टिप्पण 2—जहाँ यथास्थिति, खण्ड (अ), खण्ड (आ), खण्ड (इ) या खण्ड (ई) के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियाँ किसी सरकारी सेवक की दशा में पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हों, वहाँ अन्तर वैयक्तिक वेतन के रूप में अनुज्ञात होगा जिससे वेतनमान में भागी वृद्धियों में शामिल किया जाएगा;

टिप्पण 3—जहाँ उपनियम (1) के अधीन वेतन नियत करने में, ऐसे सरकारी सेवकों का, जो विद्यमान वेतनमान में पाँच लगातार प्रक्रमों से अधिक पर वेतन प्राप्त कर रहे हैं, वेतन एकत्रित कर दिया जाता है, अर्थात्, पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर नियत कर दिया जाता है, वहाँ ऐसे सरकारी सेवकों, जो विद्यमान वेतनमान में प्रथम पाँच लगातार प्रक्रमों के परे वेतन प्राप्त कर रहे हैं, के पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन को उस प्रक्रम तक, जहाँ ऐसा एकत्रीकरण होता है, निम्नलिखित रीति से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि/वेतनवृद्धियाँ करके, नीचे के अनुसार बढ़ा दिया जाएगा अर्थात्:—

(क) विद्यमान वेतनमान में छठवाँ प्रक्रम से उसका प्रक्रम तक वेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए—एक वेतन वृद्धि करके;

(ख) विद्यमान वेतनमान में व्यापकता प्रक्रम से पञ्चहत्ती प्रक्रम तक वेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि इसकी प्रक्रम से परे एकत्रीकरण हो—दो वेतन वृद्धि करके;

(ग) विद्यमान वेतन में सोलहवीं प्रक्रम से बीसवीं प्रक्रम तक वेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि पञ्चहत्ती प्रक्रम से परे एकत्रीकरण हो—तीन वेतनवृद्धि करके।

यदि यथाउपयुक्त वेतन बढ़ाकर किसी सरकारी सेवक का वेतन उस पुनरीक्षित वेतनमान में किसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो उस पुनरीक्षित वेतनमान में प्रक्रम से उच्चतर है जिस पर किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो उसी विद्यमान वेतनमान में भगले उच्चतर प्रक्रम या प्रक्रमों पर वेतन प्राप्त कर रहा था, वेतन नियत किया जाता है, तो पश्चात्कर्त्ता का वेतन भी केवल उस विस्तार तक बढ़ाया जाएगा जिस तक वह पूर्ववर्ती के वेतन से कम पड़ता है।

टिप्पण 4: जहाँ उपनियम (1) के अधीन वेतन नियत करने में किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो विद्यमान वेतनमान में 1 जनवरी, 1986 के ठीक पहले उसी काब्र में अपने से कनिष्ठ किसी अन्य सरकारी सेवक से अधिक वेतन प्राप्त कर रहा था, वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे कनिष्ठ के वेतन से निम्नतर किसी प्रक्रम पर नियत कर दिया जाता है वहाँ उसका वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर बढ़ाया जाएगा जो कनिष्ठ का है।

टिप्पण 5: जहाँ 1 जनवरी, 1986 को कोई सरकारी सेवक वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहा है, जो, यथास्थिति, खंड (अ), खंड (आ), खंड (इ) या खंड (ई) के अनुसार यथासंगणित उसकी विद्यमान उप-समियों के साथ मिलकर पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हो जाता है वहाँ ऐसे अधिक्य का प्रसार ऐसे सरकारी सेवक को वैयक्तिक वेतन के रूप में वेतन में समिष्ट में होने वाली वृद्धियों में अभिलिखित किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

टिप्पण 6: ऐसे कर्मचारियों की दशा में, जो "हिन्दी शिक्षण स्कीम" के अधीन हिन्दी प्राप्ति, हिन्दी संकण, हिन्दी व्याख्यान और ऐसी अन्य परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिए या 1 जनवरी, 1986 के पूर्व रोकड़ और सेवा संबंधी विषयों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं, यद्यपि वैयक्तिक वेतन को पुनरीक्षित वेतनमानों में प्रारम्भिक वेतन, नियत करने के प्रयोजनों के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा, वे 1 जनवरी, 1986 को और से या बाद में इस अवधि के लिए जिसके लिए वे पुनरीक्षित वेतनमान में अपना वेतन नियत हो जाने पर उसे प्राप्त करते, पुनरीक्षित वेतनमान में अपने वेतन के नियत हो जाने के पश्चात् वैयक्तिक वेतन प्राप्त करते रहेंगे। ऐसे वैयक्तिक वेतन की मात्रा उस अवधि के लिए जिसके लिए कर्मचारी उसे प्राप्त करता रहता, वेतन नियत करने की तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि की समुचित दर से संयत की जाएगी।

एकत्रीकरण—यदि टिप्पण के प्रयोजन के लिए पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि की समुचित दर से उक्त प्रक्रम और उसके ठीक पर प्रक्रम पर जिस पर कर्मचारी का वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाता है, अनुक्रम वेतन वृद्धि की रकम अभिप्रेत है।

टिप्पण 7: ऐसे मामलों में, जहाँ 1 जनवरी 1986 के पहले किसी उच्चतर पद पर प्रोन्नत कोई अन्य सरकारी सेवक पुनरीक्षित वेतनमान में अपने ऐसे कनिष्ठ से कम वेतन प्राप्त करता है जिसे 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् उच्चतर पद पर प्रोन्नत किया जाता है, अन्य सरकारी सेवक का वेतन उस वेतन के बराबर रकम तक बढ़ाया जाना चाहिए जो उसके कनिष्ठ के लिए उस उच्चतर पद पर नियत किया गया है। यह रकम कनिष्ठ सरकारी सेवक की प्रोन्नति की तारीख

से निम्नलिखित तरीकों को हटा करने के अधीन रहते हुए बढ़ावी जाती चाहिए, यद्यपि:—

(क) कनिष्ठ और उच्चतर सरकारी सेवक दोनों उसी काब्र के होने चाहिए और वे एक जित पर वे प्रोन्नत किए गए हैं उसी काब्र में समान होने चाहिए,

(ख) ऐसे निम्नतर और उच्चतर पदों के, जिन पर वे वेतन प्राप्त करने के हकदार हैं, पूर्व पुनरीक्षित और पुनरीक्षित वेतनमान समान होने चाहिए, और

(ग) विद्यमान सीधे मूल नियम 22ग या पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसी प्रोन्नति पर वेतन नियतन को विनियमित करने वाले किसी अन्य नियम या प्रावधान के उपबंधों को लागू करने के पर्याप्तस्वरूप होनी चाहिए। यदि निम्नतर पद पर भी कनिष्ठ अधिकारी उसे मंजूर की गई किन्हीं अधिन वेतनवृद्धियों के अवसरपूर्वक पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान में अन्य से अधिक वेतन प्राप्त कर रहा था तो इस टिप्पण के उपबंधों को अन्य अधिकारी का वेतन बढ़ाने के लिए लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

उपयुक्त उपबंधों के अनुसार अन्य अधिकारी का वेतन पुनः नियत करने से संबंधित प्रावधान मूल नियम 27 के अधीन जारी किए जाने चाहिए और अन्य अधिकारी वेतन के पुनः नियत किए जाने की तारीख से अपनी अपेक्षित अवधि सेवा के पूरा करने पर अपने वेतनवृद्धि का हकदार होना।

(2) नियम 5 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उपनियम (1) के अधीन स्थापित पद पर यथानियत वेतन अधिष्ठायी पद पर नियत वेतन से कम है तो पूर्ववर्ती अधिष्ठायी वेतन के ठीक ऊपर के प्रक्रम पर नियत किया जाएगा।

8. पुनरीक्षित वेतनमान में भगले वेतनवृद्धि की तारीख—

किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका वेतन नियम 7 के उपनियम (1) के अनुसार पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया गया है, भगला वेतनवृद्धि उस तारीख को दी जाएगी जिसको वह अपनी वेतनवृद्धि सेवा यदि वह विद्यमान वेतनमान में बना रहता:

परन्तु यह कि ऐसे मामलों में, जहाँ किसी सरकारी सेवक का वेतन नियम 7 के उपनियम (1) के टिप्पण 3 या टिप्पण 4 या टिप्पण 7 के निबन्धनों के अनुसार बढ़ाया जाता है, भगला वेतनवृद्धि, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के बढ़ाए जाने की तारीख से बारह मास की अवधि सेवा के पूरा करने पर दी जाएगी:

परन्तु यह और कि ऐसे मामलों में, जो पूर्ववर्ती परन्तुक के तत्परत वाले वाले मामलों से भिन्न हैं, किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका वेतन 1 जनवरी, 1986 को उसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो वही है, जिस पर उसी काब्र के उससे कनिष्ठ अन्य सरकारी सेवक के लिए नियत किया जाता है और वह विद्यमान वेतनमान में उससे निम्नतर प्रक्रम पर वेतन प्राप्त कर रहा है, भगला वेतनवृद्धि उसी तारीख को दी जाएगी वैसे कि उसके कनिष्ठ की अनुज्ञा है, यदि कनिष्ठ की वेतनवृद्धि की तारीख पूर्वतर होती है;

परन्तु यह भी कि ऐसे व्यक्तियों की दशा में, जो 1 जनवरी, 1986 को एक वर्ष से अधिक तक विद्यमान वेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर रहे थे, पुनरीक्षित वेतनमान में भगला वेतनवृद्धि 1 जनवरी, 1986 की अनुज्ञा होगी;

परन्तु यह भी कि ऐसे सरकारी सेवकों की वृत्ति में, जो 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के अधिकतम पर दो वर्षों से अधिक तक रुके होने पर तत्पर्य वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहे थे, उन्हें 1 जनवरी, 1986 को पुनरीक्षित वेतनमान में एक और वेतनवृद्धि, पूर्ववर्ती परन्तुक के अधीन पहुँचने ही अनुज्ञात वेतनवृद्धि के प्रतिरिक्त, अनुज्ञात होगी।

टिप्पण 1 : जहाँ-जहाँ वेतन उपर्युक्त परन्तुकों के निबन्धनों के अनुसार नियत किया गया है, यद्यपि रोध, इस बात को विचार में लाए बिना कि किसी सरकारी सेवक ने विद्यमान वेतनमान में यद्यपि रोध पार किया था या नहीं या उस पर रुका हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्णय से ही प्रवृत्त होगा।

टिप्पण 2 : चौथे परन्तुक के अधीन प्रतिरिक्त वेतनवृद्धि का फायदा भी किसी सरकारी सेवक को उस वेतनमान में, जिसमें यदि वह अपना उच्चतर स्थापनापत्र पद धारण नहीं किया जाता तो वह 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के अधिकतम पर दो वर्षों से अधिक तक रुके होने पर तत्पर्य वेतनवृद्धि पाता, इस बात को विचार के लिए बिना कि वह वस्तुतः तत्पर्य वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहा था या नहीं, पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक न होने के अधीन रहने हुए, सैद्धान्तिक रूप से अनुज्ञेय होगा।

टिप्पण 3 : जहाँ तीसरे और चौथे परन्तुकों के निबन्धनों के अनुसार दो प्रतिरिक्त वेतनवृद्धियों के दिए जाने से अधिष्ठायी पदों को लागू पुनरीक्षित वेतनमान में किसी सरकारी सेवक का अधिष्ठायी वेतन किसी भी समय उसके स्थापनापत्र वेतन से अधिक हो जाता है, वहाँ सरकारी सेवक को, स्थापनापत्र वेतन के प्रतिरिक्त, उन अवसरों के लिए, जिनके दौरान अधिष्ठायी वेतन स्थापनापत्र वेतन से अधिक हो जाता है, स्थापनापत्र वेतन और अधिष्ठायी वेतन के बीच का अंतर वैयक्तिक वेतन के रूप में सविष्य में होने वाली वेतनवृद्धियों में शामिल किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

टिप्पण 4 : ऐसे मामलों में, जहाँ दो विद्यमान वेतनमान, जो एक-दूसरे के लिए प्रौढति संबंधी वेतनमान हैं, मिल जाते हैं, और प्रत्येक वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करने वाला कनिष्ठ सरकारी सेवक उस वेतनमान में रुके होने के लिए वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहा है, और ऐसा होता है कि वह उपर्युक्त टिप्पण 2 और 3 के अधीन प्रतिरिक्त वेतनवृद्धि के लिए जाने के कारण पुनरीक्षित वेतनमान में विद्यमान उच्चतर वेतनमान में ज्येष्ठ के वेतन से अधिक वेतन प्राप्त करता है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में ज्येष्ठ सरकारी सेवक के वेतन को उसी तारीख से उसके कनिष्ठ के वेतन तक बढ़ाया जाएगा और वह ऐसे बढ़ाए जाने की तारीख से अर्हता की अवधि पूरी करने के पश्चात् अपना वेतनवृद्धि प्राप्त करेगा।

9. 1 जनवरी, 1986 के पश्चात्पूर्वी पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन नियत करना—जहाँ कोई सरकारी सेवक विद्यमान वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करता रहता है और उसे 1 जनवरी, 1986 के बाद वाले किसी तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान के अंतर्गत लाया जाता है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में पश्चात्पूर्वी तारीख से उसका वेतन मूल नियमों के अधीन नियत किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए विद्यमान वेतनमान में उसके वेतन का वही अर्थ होगा जो उपनियम (1) के, यथास्थिति खंड (अ), खंड (आ), खंड (इ) या खंड (ई) के अनुसार यथासंगत विद्यमान उपलब्धियों का है, सिवाय इसके कि उन उपलब्धियों की संगणना के लिए हिसाब में लिया जाने वाला मूल वेतन पूर्वोक्त पश्चात्पूर्वी तारीख को मूल वेतन होगा और जहाँ सरकारी सेवक विशेष वेतन या प्रीमियम वेतन प्राप्त कर रहा है वहाँ उसका वेतन, इस प्रकार संगत उपलब्धियों की सम्बन्धित पुनरीक्षित दरों से, यथास्थिति, विशेष वेतन या प्रीमियम वेतन

भत्ता के बराबर रकम की उस उपलब्धियों से कटौती करने के पश्चात् नियत किया जाएगा।

10. 1 जनवरी, 1986 के पश्चात् उस तारीख के पूर्व धारित किसी पद पर पुनर्नियुक्ति की जाने पर वेतन नियत करना—किसी ऐसे सरकारी सेवक को, जिसने 1 जनवरी, 1986 के पूर्व किसी पद पर स्थापनापत्र रूप में कार्य किया था किन्तु वह उस तारीख को वह पद धारण नहीं कर रहा था और जो उस पद पर पश्चात्पूर्वी नियुक्ति पर पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करता है, यथास्थिति, मूल नियम 22 के परन्तुक या मूल नियम 22 ग के अनुसार परन्तुक का फायदा उस विस्तार तक अनुज्ञात किया जाएगा जो उस दशा में अनुज्ञेय होता यदि वह 1 जनवरी, 1986 को वह पद धारण कर रहा होता और उस तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान का निर्वाचन किया होता।

11. वेतन के बढ़ावों के संवाद की रीति—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, वेतन के बढ़ाए, जिनके लिए कोई सरकारी सेवक इन नियमों के अधीन सुसंगत अवधि की वाकत हकदार हो, सरकारी सेवक को, या तो नकद या उन्हें सरकारी सेवक के सविष्य निधि खाते में जमा करके या उन्हें सरकारी सेवक के नाम में खोले गए किसी विशेष बचत खाते में जमा करके या भागतः नकद और भागतः पूर्वोक्त सभी रीतियों या उनमें से किसी अन्य रीति के द्वारा, जैसा राष्ट्रपति, इस निमित्त, धारण ह्रास अवधारित करें, संदत्त किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए—

(क) किसी सरकारी सेवक के संबंध में 'वेतन के बढ़ाए' से—

(i) ऐसे वेतन और भत्तों के, जिनके लिए वह सुसंगत अवधि के लिए इन नियमों के अधीन अपने वेतन और भत्तों का पुनरीक्षण होने के कारण हकदार है, योग; और

(ii) ऐसे वेतन और भत्तों के, (चाहे उसने ऐसा वेतन और भत्ते प्राप्त किए थे या नहीं) जिनके लिए वह उस अवधि के लिए हकदार होता यदि उसके वेतन और भत्तों का इस प्रकार पुनरीक्षण नहीं किया गया होता, योग,

के बीच का अंतर समिप्रेत है;

(ख) "सुसंगत अवधि" से 1 जनवरी, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 30 सितम्बर, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि समिप्रेत है।

12. नियमों का अन्वयोद्गी प्रभाव—इन नियमों में सविष्य उपलब्धियों के सिवाय मूल नियमों, केन्द्रीय सिविल सेवा (वेतन पुनरीक्षण) नियम 1947, केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1960 और केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1973 के उपबंध, ऐसे मामलों को जहाँ, वेतन को इन नियमों के अधीन विनियमित किया जाता है, उस विस्तार तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक वे इन नियमों से असंगत हैं।

13. निश्चित करने की शक्ति :—जहाँ राष्ट्रपति का यह समाधान हो जाता है कि इन नियमों के सभी उपबंधों या उनमें से किसी के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में असम्यक् कठिनाई होगी वहाँ वह, धारण द्वारा, उस विस्तार तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह स्यासंगत और साम्यापूर्ण रीति से मामले को निपटाने के लिए आवश्यक समझे, उस नियम की धारणाओं से अभिसृति दे सकेंगे या उन्हें निश्चित कर सकेंगे।

14. निर्वचन :—यदि इन नियमों के किसी उपबंध के निर्वचन से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न हो तो उसे विनिश्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को निश्चित किया जाएगा।

पहली अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

समूह "ब", "क", और "ख" में वर्तमान वेतनमान वाले पदों के लिए, सिवाए उन पदों की बाबत जिनके लिए विभिन्न पुनरीक्षित वेतनमान एक रूप से अधिसूचित किए गए हैं, पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	पद	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3(ब.)	4(ब.)

समूह 'ब'

1. स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट (क) 160-2-170
वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद

750 रु. (नियत) जब तक कि संबंधित कर्मचारियों को भर्ती की विहित आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् नियमित वेतनमान में नहीं लाया जाता।

(ख) 180 (नियत)	}	750-12-870-ब. री. -14-940
(ग) 196-3-220-ब. री. -3-232		
(घ) 200-3-212-4-232-ब. री. -4-240 (चयन घेह)		

2. —यथोक्त— (क) 200-3-206-4-234-ब. री. -4-250
(ख) 200-3-212-4-232-ब. री. -4-240-5-250 } 775-12-955-ब. री. -14-1025
(ग) 210-4-226-ब. री. -4-250
(घ) 200-3-212-4-232-ब. री. -4-240

3. —यथोक्त— (क) 210-4-250-ब. री. -5-270
(ख) 210-4-250-ब. री. -4-270 } 800-15-1010-ब. री. -20-1150
(ग) 210-4-226-ब. री. -4-250-ब. री. -5-290

समूह "ब" और "ख"

4. —यथोक्त— 225-5-260-6-290-ब. री. -6-308 825-15-900-ब. री. -20-1200
5. —यथोक्त— (क) 225-5-260-6-326-ब. री. -8-350 } 950-20-1150-ब. री. -25-1400
(ख) 260-6-326-ब. री. -8-350
6. —यथोक्त— (क) 260-6-290-ब. री. -6-326-8-366-ब. री. -
8-390-10-400 } 950-20-1150-ब. री. -25-1500
(ख) 290-6-326-ब. री. -8-350
7. —यथोक्त— (क) 260-8-300-ब. री. -8-340-10-380-ब. री. -
10-430 } 975-25-1150-ब. री. -30-1540
(ख) 290-6-326-8-350-ब. री. -8-390-10-400
8. —यथोक्त— 260-8-300-ब. री. -8-340-10-360-12-420- 975-25-1150-ब. री. -30-1680
ब. री. -12-480
9. —यथोक्त— 320-6-326-8-390-10-400 1150-25-1500
10. —यथोक्त— (क) 330-8-370-10-400-ब. री. -10-450 } 1200-30-1440-ब. री. -30-1800
(ख) 330-8-370-10-400-ब. री. -10-480
11. —यथोक्त— (क) 330-10-380-ब. री. -12-500-ब. री. -15-
560 }
(ख) 330-10-350-ब. री. -380-15-500-ब. री. -
15-560

1	2	3	4
		(र.)	(र.)
स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट सर्वोच्च वेतनमान वाले सभी पद	(ग) 330-8-370-10-400-र. रौ.- 10-500-15-530 (घ) 290-8-330-10-380-र. रौ.- 12-500-र. रौ.-15-580 (ङ) 290-10-350-र. रौ.-12-410- र. रौ.-15-500		1200-30-1580-र. रौ.-40-2040
12. -यथोक्त-	(क) 380-12-500-15-530 (ख) 380-12-500-र. रौ.-15-580		1320-30-1580-र. रौ.-40-2040
13. -यथोक्त-	(क) 380-12-440-र. रौ.-15-560-र. रौ.- 20-620 (ख) 380-12-440-र. रौ.-15-560-र. रौ.- 20-640 (ग) 425-15-530-र. रौ.-15-560-20-800 (घ) 470-15-580-20-580		1350-30-1440-40-1800-र. रौ.-50-2200
14. -यथोक्त-	(क) 425-15-580-र. रौ.-20-640 (ख) 425-15-500-र. रौ.-560-20-700 (ग) 455-15-660-र. रौ.-20-700		1400-40-1800-र. रौ.-50-2300
15. -यथोक्त-	(क) 425-15-500-र. रौ.-15-560- 20-700-र. रौ.-25-800 (ख) 425-15-500-र. रौ.-15-560-20- 640-र. रौ.-20-700-25-780 (ग) 440-15-515-र. रौ.-15-560-20- 700-र. रौ.-25-750 (घ) 440-20-500-र. रौ.-25-700- र. रौ.-25-750		1400-40-1600-50-2300-र. रौ.-60-2800
16. -यथोक्त-	(क) 550-20-650-25-800 (ख) 550-20-650-25-750 (ग) 550-20-650-25-700 (घ) 550-25-750		1600-50-2300-र. रौ.-60-2660
17. -यथोक्त-	(क) 500-20-700-र. रौ.-25-900 (ख) 500-25-750-30-900 (ग) 550-20-650-25-750-र. रौ.-30-900 (घ) 550-25-900 (ङ) 550-25-750-र. रौ.-30-900		1640-60-2800-र. रौ.-75-2900
18. -यथोक्त-	(क) 650-30-740-35-880-र. रौ.-40-980 (ख) 700-30-760-35-900 (ग) 650-30-740-35-880-र. रौ.-40-1040 (घ) 775-35-880-40-1000		2000-60-2300-र. रौ.-75-3200
19. -यथोक्त-	650-30-710		2000-60-2120
20. -यथोक्त-	(क) 650-30-740-35-810-र. रौ.- 35-880-40-1000-र. रौ.-40-1200 (ख) 650-45-1010-र. रौ.-45-100- 50-1200 (ग) 775-35-880-40-1000-र. रौ.-40-1200		2000-60-2300-र. रौ.-75-3200-100-3500
21. -यथोक्त-	(क) 840-40-1000-र. रौ.-40-1200 (ख) 840-40-1040		2375-75-3200-र. रौ.-100-3500

टिप्पण:—जैसा अन्वेषण उपर्युक्त है उसके सिवाय, इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से पूर्व समय क्षेत्र में वेतन ले रहे कर्मचारी की दशा में, उसका वेतन ऐसे समय क्षेत्र के तत्स्थानी पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा और उस वेतन ऐसे कर्मचारी के लिए भिन्नी होगा।

अध्याय ३ -- वृद्धि की अपेक्षा

कतिपय अन्य प्रवर्गों के कर्मचारियों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	पद	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
(1)	(2)	(3)	(4)
		रु.	रु.
I. इंजीनियरी कर्मचारियों			
1. कमिष्ठ इंजीनियर (के. लो. नि. वि.)	425-15-500-रु. -15- 560-20-700 550-25-750-रु. -30- 900 (चयन श्रेणी)	1400-40-1800-रु. -50-3300 1640-60-2600-रु. -75-2900	चयन श्रेणी में विद्यमान पदधारियों को 1640-60-2600-रु. -75-2900 रुपए का पुनरीक्षित वेतनमान उनके लिए निजी के रूप में अनुज्ञात किया जाएगा।
		(प्रोन्नति मूलक ग्रेड को उचित रूप से पुनः पदाभिहित किया जाएगा और प्रोन्नति सामान्य प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। कमिष्ठ इंजीनियर के कुल पदों के 50 प्रतिशत निम्नतर ग्रेड 1400-40-1800-रु. -50-2300 रु. में होंगे और शेष 50 प्रतिशत 1640-60-2600-रु. -75-2900 रुपए के ग्रेड में होंगे।	
2. कमिष्ठ इंजीनियर (दूर संचार विभाग)	425-15-500-रु. -15- 560-20-700 550-25-750-रु. -30-900 (चयन ग्रेड)	1400-40-1800-रु. -50-2300 1640-60-2600-रु. -75-2900 (प्रोन्नति मूलक ग्रेड को उचित रूप में पुनः पदाभिहित किया जाएगा और प्रोन्नति सामान्य प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी)	चयन ग्रेड में विद्यमान पदधारियों को 1640-60-2600-रु. -75-2900 रुपए का पुनरीक्षित वेतनमान उनके लिए निजी के रूप में अनुज्ञात किया जाएगा।
		कमिष्ठ इंजीनियर दूर संचार के कुल पदों के 35% पद 1400-40-1800-रु. -50-2300 रु. के निम्नतर ग्रेड में होंगे और शेष 65 प्रतिशत, 1640-60-2600 रु. -75-2900 रु. के ग्रेड में होंगे।	
II. कर्मशाला कर्मचारियों			
1. स्तम्भ में विनिर्दिष्ट वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद	196-3-220-रु. -3-232	750-12-870-रु. -14-940	
2. --यथोक्त--	(i) 210-4-250-रु. -5-270 (ii) 210-4-226-रु. -4-250-रु. -5-290	800-15-1010-रु. -20-1150	मंत्रालय/विभागों को 225-308 रु. के वेतनमान वाले पदों के कार्य का पुनर्विभाजन करना चाहिए जिससे कि उन्हें 800-1150 रु. या 950-1500 रु. के वेतनमान के पदों में वर्गीकृत किया जाए किन्तु इन पदों के विद्यमान पदधारी 825-15-900-रु. -20-1200 रु. के वेतनमान में जो उनके लिए निजी के रूप में होगा तब तक बने रहेंगे जब तक कि वे 950-1500 रु. के वेतनमान में रखे जाने के लिए उपयुक्त नहीं पाए जाते हैं।
3. --यथोक्त--	(i) 260-6-326-रु. -8-350 (ii) 260-6-290-रु. -6-326-8-366-रु. -8-390-10-400 (iii) 320-6-326-8-390-10-400		
4. --यथोक्त--	330-8-370-10-400-रु. -10-480	1200-30-1440-रु. -30-1800	
5. --यथोक्त--	380-12-500-रु. -15-560	1320-30-1560-रु. -40-2040	
6. --यथोक्त--	425-15-560-रु. -20-640	1400-40-1800-रु. -50-2300	

1	2	3	4	5
	क.	ख.		
7. तत्परोक्षी पर्यवेक्षक स्तर 5 में विशिष्ट कार्य/प्र कार्यक्रम वाले सभी पद	(i) 380-12-500-द.रो.-15-500 (ii) 380-12-440-द.रो.-15-500 द.रो.-20-640 (iii) 425-15-500-द.रो.-15-500-20-600 (iv) 425-15-560-द.रो.-20-640 (v) 425-15-500-द.रो.-15-560-20-700 (vi) 425-15-560-द.रो.-20-700 (vii) 550-20-650-25-750 (viii) 550-20-650-25-800 (ix) 700-30-760-35-900 (x) 650-30-740-35-860-द.रो.-40-960 (xi) 840-40-1040 (xii) 840-40-1000-द.रो.-40-1200		1400-40-1800-द.रो.-50-2300 1600-50-2300-द.रो.-60-2860 2000-80-2300-द.रो.-75-3200 2375-75-3200-द.रो.-100-3500	

III. सचिवालय से बाहर के संगठनों

में कार्यरत कार्यालय पर्यावरण

आवृत्तिविक प्रेड III

क.	ख.
330-10-380-द.रो.-12-500-द.रो.-15-560	1200-30-1560-द.रो.-40-2040

आवृत्तिविक प्रेड II

425-15-500-द.रो.-15-560-20-700	1400-40-1800-द.रो.-50-2300
--------------------------------	----------------------------

आवृत्तिविक प्रेड I

550-25-750-द.रो.-30-900	1640-60-2000-द.रो.-75-2800
-------------------------	----------------------------

निम्नतर स्तरों से आवृत्तिविकों के पदों की अपेक्षित संख्या का उप-युक्त रूप से उच्च श्रेणीकरण करके, ज्येष्ठ प्रशासनिक प्रेड और समतुल्य पर्यो के अधिकारियों से सम्बद्ध आवृत्तिविकों के पदों के लिए 2000-60-2300-द.रो.-75-3200 द.। तए उपकार वैतामान में वे पद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति द्वारा भरे जाने चाहिए।

IV. सेवा लेखा महानियंत्रक, सेवा मंडल

नियंत्रक और डाक तथा दूरसंचार

विभागों के अधीन संगठित सेवा

कार्गों में सेवा कार्यकारिण

1. सेवा परीक्षक (पयन प्रेड)/ सिपिक प्रेड 1 (च. प्र.)/ज्येष्ठ सेवाकार/ज्येष्ठ सेवासिपिक (च. प्र.)	क.	ख.
425-15-500-द.रो.-15-500-20-700	1400-40-1800-50-2300-द.रो.-60-2600	

(इसे कृत्यकारी प्रेड समझा जाना चाहिए जिसमें सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति अपेक्षित होगी।) चयन प्रेड के विद्यमान पदधारियों को 1400-40-1800-50-2300-द.रो.-60-2600 द. का पुनरीक्षित वेतनमान उसके लिए निजी के रूप में इस शर्त के अधीन अनुज्ञात किया जाएगा कि ऐसे कनिष्ठ व्यक्ति जिन्हें विस्तार आवेक्ष के अनुसार गैर कृत्यकारी चयन प्रेड अनुज्ञात किया गया है, 1400-40-1800-द. रो.-50-2300 द. के पुनरीक्षित वेतनमान में रखे जाएंगे।

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

कृषिपाली प्रोपति ग्रेड के अनुसार
1400-2600 रु. के वेतनमान
के प्रारंभ हो जाने पर 1200-
2040 रु. और 1400-2300/
1400-2600 रु. के पुनरीक्षण
वेतनमान में के व्यक्ति, जटिल
प्रकृति के कार्य करने के लिए
स्वीकृत पद संख्या के 10 प्रति-
शत तक लेखाकारों (कनिष्ठ/
ज्येष्ठ) को इस समय अनुज्ञेय
विशेष वेतनमान के लिए, पास
नहीं रहे जाएंगे।

2. अनुसंधान अधिकारी/ब. ग्रे./ 775-35-880-40-1000 2000-60-2300-द. रौ.-75-3200
लेखाकार (ब. ग्रे.)/कनिष्ठ
लेखा अधिकारी (ब. ग्रे.)

(कृषिकारी ग्रेड) जिसमें सामान्य
प्रक्रिया के अनुसार प्रोपति अवैधित
होगी। चयन ग्रेड के वर्तमान
पदधारियों को 2000-60-
2300-द. रौ.-75-3200 रु.
का पुनरीक्षित वेतनमान उनके
लिए निजी के रूप में अनुज्ञात
किया जाएगा।

V. अध्यापन कर्मचारियों

- | | | |
|---|--|--|
| 1. प्राथमिक विद्यालय अध्यापक | 330-10-350-द. रौ.-380-15-500-द.
रौ.-15-560 | 1200-30-1560-द. रौ.-40-2040 |
| 2. प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक/
प्राथमिक विद्यालय का प्रधान
अध्यापक | 440-20-500-द. रौ.-25-700-द. रौ.-
25-750 | 1400-40-1600-50-2300-द. रौ.-60-
2600 |
| 3. स्नातकोत्तर अध्यापक/प्रधान
अध्यापक (माध्यमिक विद्या-
लय) | 550-25-750-द. रौ.-30-900 | 1640-60-2600-द. रौ.-75-2900 |
| 4. प्राथमिक विद्यालय अध्यापक
(ब. ग्रे.) | 530-20-630 | 1400-40-1600-50-
2300-द. रौ.-60-2600 |
| 5. प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक
(ब. ग्रेड)/प्रधान अध्यापक
प्राथमिक विद्यालय (ब. ग्रे.) | 740-35-880 | 1640-60-2600-द. रौ.-75-2900 |
| 6. स्नातकोत्तर अध्यापक (ब. ग्रे.)
प्रधान अध्यापक, माध्यमिक
विद्यालय (ब. ग्रे.) | 775-35-880-40-1000 | 2000-60-2300-द. रौ.-75-3200-
100-3500 |
| 7. उप प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक | 650-30-740-35-810-द. रौ.-35-
880-40-1000-द. रौ.-40-1200 | 2000-60-2300-द. रौ.-75-3200-
100-3500 |

उन अध्यापकों को, जो स्तंभ 3
में उल्लिखित विद्यमान वेतनमान
में नहीं हैं, इस स्तंभ में उल्लि-
खित पुनरीक्षित वेतनमान यह
निश्चित करने के बाद
ही दिया जा सकता है कि उनके
पास बहिष्ठ प्रहृताएं हैं। जिनके
पास बहिष्ठ अहृताएं नहीं हैं
उन्हें इस अनुसूची के भाग "क"
में उल्लिखित पुनरीक्षित वेतन-
मान दिया जाएगा जो उनके
विद्यमान वेतनमान के तत्समान
है। इस स्तंभ में उपर्युक्त चयन
ग्रेड वेतनमान उन्हीं अध्यापकों
को अनुज्ञेय होगा जो स्तंभ 3 में
उल्लिखित विद्यमान चयन ग्रेड
वेतनमान में पहले से ही हैं।

VI. प्रयोगशाला तकनीकी विद्

- | | | |
|--|---------------------------------|-------------------------------|
| 1. प्रयोगशाला सहायक
(विषय और निरीक्षण निदेशालय) | 380-12-500-द. रौ.-15-560 | } 1400-40-1800-द. रौ.-50-2300 |
| 2. कनिष्ठ रसायनज्ञ
(विषय और निरीक्षण निदेशालय) | 425-15-500-द. रौ.-15-560-20-700 | |
| 3. प्रयोगशाला परिचर
(केन्द्रीय राज्य नियंत्रण प्रयोगशालाएं) | 225-5-260-6-290-द. रौ.-6-308 | } 950-20-1150-द. रौ.-25-1400 |
| 4. यन्त्रकार (ब. ग्रे.) | 260-6-326-द. रौ.-8-350 | |

1	2	3	4	5
		रुपये	रुपये	

VII. मोटर यानों का इस्तेमाल

मोटर यानों, जिनके अन्तर्गत स्टाफ कारें भी हैं, के इस्तेमाल	(1) 260-6-326-द.रो.-8-350	} 950-20-1150-द.रो.-25-1500
	(2) 260-6-290-द.रो.-6-326-8-366-द.रो.-8-390-10-400	

VIII. अन्य प्रयोगों के कर्मचारियों

(रसोइया और बैरा) रसोइया/रसोइया बैरा/बटलर/बैरा/परिचर/बैटर, भादि	(1) 196-3-220-द.रो.-3-232	} 750-12-870-द.रो.-14-940
	(2) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240	
	(3) 200-3-206-4-234-द.रो.-4-250	775-12-955-द.रो.-14-1025
	(4) 210-4-250-द.रो.-5-270	} 800-15-1010-द.रो.-20-1150
	(5) 210-4-226-द.रो.-4-250-द.रो.-5-290	
	(6) 225-5-260-6-290-द.रो.-6-308	825-15-900-द.रो.-20-1200
	(7) 260-6-326-द.रो.-8-350	} 950-20-1150-द.रो.-25-1500
	(8) 260-6-290-द.रो.-6-326-8-366-द.रो.-8-390-10-400	
	(9) 290-6-326-8-350-द.रो.-8-390-10-400	
	(10) 320-6-326-8-390-10-400	
	(11) 330-8-370-10-400-द.रो.-10-480	1200-30-1440-द.रो.-30-1800
	(12) 380-12-500-द.रो.-15-560	1320-30-1560-द.रो.-40-2040

मंत्रालयों/विभागों के 225-308 द. के वेतनमात्र वाले पदों के कार्य का पुनर्वितरित करना चाहिए जिससे कि उन्हें 800-1150 द. या 950-1500 द. के वेतनमात्र के पदों में वर्गीकृत किया जाए। किन्तु इन पदों के विद्यमान परवर्ती 825-15-900-द.रो.-20-1200 द. के वेतनमात्र में, जो उनके बिना किसी के रूप में होना तथा तक नहीं पहुँचे जब तक कि वे 950-1500 द. के वेतनमात्र में रहे या वे के बिना उपयुक्त नहीं जाएँ जा सकते हैं।

IX. अर्धविकल्पीय कर्मचारियों

1. रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीक-विद्	330-10-380-द.रो.-12-500-द.रो.-15-560	1350-30-1440-40-1800-द.रो.-50-2200
2. चयन क्षेत्री रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीकीविद् फार्मासिस्ट (चयन क्षेत्री)	425-15-500-द.रो.-20-640	1400-40-1800-50-2300-द.रो.-60-2600
3. एक्स रे तकनीकीविद्	425-15-500-द.रो.-15-560-20-700	1400-40-1800-50-2300-द.रो.-60-2600

1	2	3	4	5
		खपये	खपये	
4. सहायक मर्त और मिड वाइफ (स. न. मि.)	(1) 260-6-326-ब.रो.-8-350 (2) 260-6-290-ब.रो.-6-326-8-366-ब.रो.-8-390-10-400	} 975-25-1150-ब.रो.-30-1540		(1200-30-1560-ब.रो.-40-2040 खपये के वेतनमान में प्रोन्नति प्रेड भी होगी जिसके लिए सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति प्रपेक्षित होगी)
5. स्टाफ मर्त	(1) 425-15-560-ब.रो.-20-640 (2) 425-15-500-ब.रो.-15-560-20-700	} 1400-40-1800-50-2300-ब.रो.-60-2600		
6. नर्सिंग सिस्टर	(1) 455-15-560-ब.रो.-20-700 (2) 470-15-530-ब.रो.-20-650-ब.रो.-25-750 (3) 550-20-650-25-700	} 1640-60-2600-ब.रो.-75-2900		
7. नर्सिंग कर्मचारिबन्ध (पदी-विशेष)	(1) 550-20-650-25-750 (2) 550-20-750-ब.रो.-30-900 (3) 650-30-740-35-880-ब.रो.-40-960 (4) 700-30-760-35-900	} 2000-60-2300-ब.रो.-75-3200		

शिक्षण पद

मर्त (शिक्षण कर्मचारिबन्ध)	(1) 425-15-500-ब.रो.-20-640 (2) 455-15-560-ब.रो.-20-700 (3) 550-20-650-25-750 (4) 550-25-750-ब.रो.-30-900 (5) 650-30-740-35-880-ब.रो.-40-960 (6) 700-30-760-35-900	1400-40-1800-50-2300-ब.रो.-60-2600 1640-60-2600-ब.रो.-75-2900 2000-60-2300-ब.रो.-75-3200
----------------------------	---	--

X. पशु चिकित्सा अधिकारी

पशु चिकित्सा अधिकारी	(1) 425-15-500-ब.रो.-15-560-20-700 (2) 550-20-650-25-750-ब.रो.-30-900 (3) 650-30-740-35-810-ब.रो.-35-880-40-1000-ब.रो.-40-1200 (सीमा सुरक्षा बल पारव-विशेष सीमा पुलिस में)	वे सभी पद जिनके लिए पशु चिकित्सा विभाग में किसी न्यूनतम प्रवृत्ता है, 2000-60-2300-ब.रो.-75-3200-100-3500 खपये के वेतनमान में हूँगे। अन्य इस अनु-सूची के भाग 'क' के स्तर 4 में उल्लिखित किए गए पुनरोन्नति वेतनमान में हूँगे जो उनके विद्यमान वेतनमान के बराबर हों।
----------------------	---	---

XI. केन्द्रीय सचिवालय आनुवंशिक सेवा

1. केन्द्रीय सचिवालय आनु- वंशिक सेवा के ग्रेड 'क' में सम्मिलित कर्तव्य पद	650-30-740-35-880-ब.रो.-40-1040	} 2000-60-2300-ब.रो.-75-3200-100-3500	अन्य संरचना में ऐसे आनुवंशिक कार्यरत हैं, जो केन्द्रीय सचिवालय आनु- वंशिक सेवा में शामिल नहीं हैं, किन्तु यहाँ ऐसे पद तुलनीय ग्रेडों और वेतनमानों में हैं और वर्गी की प्रवृत्ति क्षुब्ध प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से होते हैं वही इन संरचनाओं के उदाहरणार्थ, बिस्व संघास्य के आनुवंशिकों के इस वर्ग में उल्लिखित नहीं पुनरीक्षित वेतनमान प्रवृत्ति हूँगे।
2. केन्द्रीय सचिवालय आनु- वंशिक सेवा के ग्रेड 'क' में सम्मिलित कर्तव्य पद	650-30-740-35-810-ब.रो.-35-880-40-1000-ब.रो.-40-1200		

दूसरी अनुसूची

विधायक का पद

[नियम (8) (1) देखिए]

"(1) में....., 1 जनवरी, 1986 से पुनरीक्षित वेतनमान (वेतनमानों) लेने का निश्चय करता हूँ।

"(2) में....., अपने नीचे उल्लिखित अधिष्ठायी स्थानावली पद के विद्यमान वेतनमान में निम्नलिखित समय तक बने रहने का निश्चय करता हूँ:—

अपनी अपनी वेतनवृद्धि की तारीख तक अपनी पर्याप्त वेतनवृद्धि की तारीख तक जिसकी सेवा वेतन बढ़कर विद्यमान पद छोड़ देने तक/विद्यमान वेतनमान में वेतन लेना बन्द कर देने तक सेवा विद्यमान वेतनमान रखने है।

रखे हो जाएगा

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

कार्यालय

जिसमें

नियोजित है

"यदि लागू नहीं हो तो काट दीजिए।

तारीख:

स्वाक्षर:

ए. खाजारी,

अपर सचिव, भारत सरकार.

केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1986 का
स्पष्टीकरणक नियम

नियम 1—यह नियम स्वयं लागू है।

नियम 2—यह नियम कर्मचारियों के उस वर्गों का प्रयोग करता है जिन्हें वे नियम लागू हैं। सिवाय उन वर्गों के जो खण्ड (2) के अधीन व्यवस्थित किए गए हैं, वे नियम लागू होने की तिथि के अन्तर्गत के प्रयोग, सिविल प्रशासकों में से संवत् विधायकों में सेवा कर रहे, सभी व्यक्तियों को लागू होंगे। वे वेतन संशोधन द्वारा प्राप्त वेतन प्रशासकों में से संवत् सिविल कारियों का लागू नहीं है और उनके लिए संबंधित प्रशासकों द्वारा प्रथम नियम जारी किए जाएंगे। 3 नियम का प्रयोग और संशोधन विभाग में विद्यमान अधिष्ठायी पदों को लागू नहीं होने चाहिए, वे नियम कार्यप्रकारित स्थापनों को लागू हैं।

नियम 3—यह नियम स्वयं लागू है।

नियम 4—ऐसे कर्मचारियों की बाबत जो वर्तमान में मनु "अ" और मनु "ग" में हैं और जिसके लिए वेतन प्रयोग में मनु "क" के किसी वर्गों को लागू वेतनमानों की प्रकाशित की है, यह नियम उस समय तक लागू नहीं होगा जब तक वेसे कर्मचारियों को लागू होने वाले वेतनमान अधिष्ठायी पदों पर किए जाते हैं।

नियम 5—साफ यह है कि सभी सरकारी सेवा की पुनरीक्षित वेतनमानों में लागू किए गए उनके जो विद्यमान वेतनमानों में वेतन लेने का निश्चय करते हैं। वे कर्मचारी जो विद्यमान वेतनमानों में बने रहने का निश्चय करते हैं। 1 जनवरी, 1986 को प्रयुक्त वर्गों पर मनुमार्ग वेतन, मनुमार्ग चत्ता, तयवे मनुमार्ग चत्ता और अन्तिम मनुमार्ग लेते रहने और मनुमार्ग वेतन, मनुमार्ग चत्ता, प्रतिकारकक चत्ता और अन्तिम के लिए प्रतिकारकक, आदि के लिए उस विचार तक यथार्थ में किया जाएगा जिस तक वह उक्त तारीख को गणना में लिया जाता है।

यदि कोई सरकारी सेवा अधिष्ठायी हैसियत के स्थायी पद प्राप्त कर रहा है और किसी अन्यक एक या अधिकक रूप में कार्य कर रहा है या किसी एक या अधिकक पदों का प्रयोगक रूप में कार्य करता हो

वह प्रतिनिधित्व कार्य पर न होता हो उसे केवल एक पद की बाबत विद्यमान वेतनमान को प्रतिपादित करने का विकल्प है। ऐसा सरकारी सेवा स्थायी पद को लागू विद्यमान वेतनमान, या स्थानावली पदों में से किसी एक के वेतनमान, को प्रतिपादित कर सकता है। अन्य पदों की बाबत उसे अधिष्ठायी का न पुनरीक्षित वेतनमान में ही बात होगा।

नियम 6 का स्पष्टीकरण 1—यदि सरकारी सेवा को केवल अधिष्ठायी या किसी एक स्थायी पद को बाबत विद्यमान वेतनमान को प्रतिपादित करने का विकल्प होगा अतः उस सरकारी सेवा को, जो अपने स्थायी पद की बाबत विद्यमान वेतन का प्रतिपादित करता है, उसके अधिष्ठायी पद को बाबत पुनरीक्षित वेतनमान में लागू जाएगा। अधिष्ठायी पद के पुनरीक्षित वेतनमान में मनुमार्ग वेतन/मनुमार्ग चत्ता/तयवे मनुमार्ग चत्ता पुनरीक्षित वेतनमान में प्रवेशित हो जाएगा जबकि स्थायी पद वेतनमान में उसे मनुमार्ग वेतन और अधिष्ठायी मनुमार्ग चत्ता/तयवे मनुमार्ग चत्ता की विद्यमान वर्गें लागू होंगी। यदि उनका वेतन उच्चतर स्थानावली पद के विद्यमान वेतनमान में, अधिष्ठायी पद के पुनरीक्षित वेतनमान के वेतन के प्रतिनिधित्व से पुनः नियम किया जाता है जो उसके उसे मनुमार्ग चत्ता, मनुमार्ग वेतन और अन्तिम मनुमार्ग में हो तो बार प्रयोग में लाया जाएगा। यह स्पष्टीकरण इस प्रकार के अन्तर्गत के कार्य के निष्पादन करने के लिए है।

नियम 8—यह नियम यह पद्धति प्रिहित करता है जिससे विचार्य को प्रयोग किया जाता है और उस अधिष्ठायी को भी प्रिहित करता है जिसे ऐसे विचार्य को चुनना हो जानी चाहिए। विचार्य इन नियमों के अन्तर्गत उचित प्रयोग में किया जाएगा। यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि सरकारी सेवा के लिए केवल यह पर्याप्त नहीं है कि वह विनिश्चित समय को परीक्षा में विचार्य का प्रयोग करे अतः यह भी विनिश्चित किया जाना चाहिए कि विचार्य विहित अधिष्ठायी के पास समय की परीक्षा के भीतर प्रयुक्त जाए। ऐसे व्यक्तियों की दशा में जो इन नियमों के प्रयोग होने के समय कार्य के बाधक हैं, विचार्य कार्य की प्रकृति के अनुसार एक या अधिकक पदों को प्रयोग के लिए लाया है। इस प्रकार के पदों की दशा में विचार्य पदों के पुनरीक्षित वेतनमान इन नियमों के अन्तर्गत

किन्तु यदि की तारीख के अनुसार बांँपित किए जाते हैं, तब तक की 1986 वर्ष की बाँँपका की तारीख से प्रारंभ होगी।

ऐसे व्यक्ति को, जो 1 जनवरी, 1986 और इन नियमों की जारी करने की तारीख के बीच सेवानिवृत्त हो गए हैं, विफल करने के पात्र हैं।

नियम 7(1)—इस नियम का संबंध 1 जनवरी, 1986 की विद्यमान वेतनमानों में वेतन की वास्तविक रूप से नियत करने से है। सरकारी सेवक का वेतनमान उप-नियम के प्रकीर्ण नियम 7 (1) के नीचे विषयों के प्रकीर्ण वेतन में वृद्धि के प्रकीर्ण रहते हुए जिस रीति से नियत किया जाना चाहिए इसके कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं :

उदाहरण सं. 1

1. विद्यमान वेतनमान	260-6-290-र. री.-2-320-6-360-र. र. री.-8-390-10-400 र.
2. प्रस्तावित वेतनमान	950-20-1150-र. री.-25-1500 र.
3. विद्यमान मूल वेतन	342.00 र.
4. औसत सुचकांक 608 पर महंगाई वेतन/प्रतिरिक्त महंगाई बढ़ता	608.50 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	110.00 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	1114.50 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत न्यूनतम 75 र. तक बाँँपिए	75.00 र.
योग	1189.50 र.

प्रस्तावित वेतनमान में विफल
किया जाने वाला वेतन

1268.00 र.

उदाहरण सं. 2

1. विद्यमान वेतनमान	550-20-600-25-700 र. विशेष वेतन 60 र.
2. प्रस्तावित वेतनमान	2000-60-2300-र. री.-2500-3000 र. (विशेष वेतन 70 र.)
3. विद्यमान मूल वेतन घन विशेष वेतन	700 र. + 60 र.
4. मूल वेतन और विशेष वेतन पर औसत सुचकांक 608 पर महंगाई वेतन/प्रतिरिक्त महंगाई वेतन	608.50 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	130.00 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	2043.50 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत अधिक	140.00 र.
योग	2183.50 र.

प्रस्तावित वेतनमान में विफल

किया जाने वाला वेतन 2240.00 र. (विशेष वेतन राहत)

उदाहरण सं. 3

1. विद्यमान वेतनमान	210-4-250-र. री.-5-270 र. 10 र. विशेष वेतन राहत
2. प्रस्तावित वेतनमान	800-15-1010-र. री.-20-1150 र. 20 र. विशेष वेतन राहत
3. विद्यमान मूल वेतन	230 र.
4. औसत सुचकांक पर महंगाई वेतन/महंगाई बढ़ता	463.50 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	100.00 र.
योग	793.50 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	793.50 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत न्यूनतम 75 र. तक बाँँपिए	75.00 र.
योग	868.50 र.

प्रस्तावित वेतनमान में विफल

किया जाने वाला वेतन 875.00 र. घन 20 र. विशेष वेतन

नियम 7 (2)—यह मूल नियम 31 (2) के उपबंधों के अनुसार है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस नियम का फायदा उन मामलों में प्रयुक्त नहीं है जहाँ सरकारी सेवक ने अपने अधिकारों पर की जायत अनुरोधित वेतनमान सेन का विवरण दिया है किन्तु स्थापना पर की जायत विवरण वेतनमान का प्रतिधारण किया है।

नियम 7 (2) के अंतर्गत 31 (2) के उपबंधों के अनुसार यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस नियम का फायदा उन मामलों में प्रयुक्त नहीं है जहाँ सरकारी सेवक ने अपने अधिकारों पर की जायत अनुरोधित वेतनमान सेन का विवरण दिया है किन्तु स्थापना पर की जायत विवरण वेतनमान का प्रतिधारण किया है।

नियम 7 (2) के अंतर्गत 31 (2) के उपबंधों के अनुसार यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस नियम का फायदा उन मामलों में प्रयुक्त नहीं है जहाँ सरकारी सेवक ने अपने अधिकारों पर की जायत अनुरोधित वेतनमान सेन का विवरण दिया है किन्तु स्थापना पर की जायत विवरण वेतनमान का प्रतिधारण किया है।

इस नियम का फायदा उन मामलों में प्रयुक्त नहीं है जहाँ सरकारी सेवक ने अपने अधिकारों पर की जायत अनुरोधित वेतनमान सेन का विवरण दिया है किन्तु स्थापना पर की जायत विवरण वेतनमान का प्रतिधारण किया है।

(पर. म. 13(1)-आर. प्र. 1/80)

ए. रंगाचारी, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Expenditure)

New Delhi, the 13th September, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 1080(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1986.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.

2. Categories of Government servants to whom the rules apply.—(1) Save as otherwise provided by or under these rules, these rules shall apply to persons appointed to civil services and posts in connection with the affairs of the Union whose pay is debitable to the Civil Estimates as also to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department.

(2) These rules shall not apply to:—

- (a) Government servants in a Group 'A' service or holding a Group 'A' post;
- (b) persons appointed to the Central Civil Services and posts in Groups 'B', 'C' and 'D' under the administrative control of the Administrator of the Union territory of Chandigarh;
- (c) permanent employees of former Indian States absorbed in Civil Services and posts in connection with the affairs of the Union, but governed by the pre-absorption conditions of service under the Central Civil Services (Part B States Transferred Employees) Rules, 1953;
- (d) persons locally recruited for service in Diplomatic, Consular or other Indian establishments in foreign countries;
- (e) persons not in whole-time employment;
- (f) persons paid out of contingencies;
- (g) persons paid otherwise than on a monthly basis including those paid only on a piece-rate basis;
- (h) persons employed on contract except where the contract provides otherwise;
- (i) persons re-employed in Government service after retirement;
- (j) any other class or category of persons whom the President may, by order, specifically exclude from the operation of all or any of the provisions contained in these rules.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

- (1) "basic pay" means pay as defined in Fundamental Rule 9(21)(a)(i);
- (2) "existing scale" in relation to a Government servant means the present scale applicable to the post held by the Government servant (or, as the case may be, personal scale applicable to him) as on the 1st day of January, 1986, whether in a substantive or officiating capacity.

Explanation.—In the case of a Government servant, who was on the 1st day of January, 1986 on deputation out of India or on leave or on foreign service, or who would have on that date officiated in one or more

lower posts but for his officiating in a higher post, "existing scale" includes the scale applicable to the post which he would have held but for his being on deputation out of India or on leave or on foreign service or, as the case may be, but for his officiating in a higher post;

(3) "Present scale" in relation to any post specified in column 2 of the first schedule means the scale of pay specified against that post in column 3 thereof;

(4) "revised emoluments" means the basic pay of a Government servant in the revised scale and includes the revised non-practising allowance, if any, admissible to him, in addition to the pay in the revised scale;

(5) "revised scale" in relation to any post specified in column 2 of the First Schedule means, the scale of pay specified against that post in column 4 thereof unless a different revised scale is notified separately for that post;

(6) "Schedule" means a schedule annexed to these rules.

4. Scale of pay of posts.—As from the date of commencement of these rules, the scale of pay of every post specified in column 2 of the First Schedule shall be as specified against it in column 4 thereof.

5. Drawal of pay in the revised scales.—Save as otherwise provided in these rules, a Government servant shall draw pay in the revised scale applicable to the post to which he is appointed :

Provided that a Government servant may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale.

Explanation 1.—The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

Explanation 2.—The aforesaid option shall not be admissible to any person appointed to a post on or after the 1st day of January, 1986, whether for the first time in Government service, or by transfer or promotion from another post and he shall be allowed pay only in the revised scale.

Explanation 3.—Where a Government servant exercises the option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale under Fundamental Rule 22 or Fundamental Rule 31, or any other rule or order applicable to that post, his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in respect of the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his lien not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired the character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force, whichever is higher.

6. Exercise of Option.—

- (1) The option under the proviso to rule 5 shall be exercised in writing in the form appended to the Second Schedule so as to reach the authority mentioned in sub-rule (2) within three months of the date of publication of these rules or where an existing scale has been revised by any order made subsequent to that date, within three months of the date of such order:

Provided that:—

- (i) in the case of a Government servant who is, on the date of such publication or, as the case may be, date of such order, out of India on leave or deputation or foreign service or active service, the said option shall be exercised in writing so as to reach the said authority within three months of the date of his taking charge of his post in India; and

(1) Where a Government servant is under order on leave on the 1st day of January, 1986, the option may be exercised within three months of the date of his return to his duty if that date is later than the date prescribed in this sub-rule.

(2) The option shall be intimated to the Government servant to the Head of his Office.

(3) If the intimation regarding option is not received within the time mentioned in sub-rule (1), the Government servant shall be deemed to have elected to be governed by the revised scale of pay with effect on and from the 1st day of January, 1986.

(4) The option once exercised shall be final.

Note 1.—Persons whose services were terminated on or after the 1st January, 1986 and who could not exercise the option within the prescribed time limit, on account of death, discharge on the expiry of the sanctioned posts, resignation, dismissal or discharge on disciplinary grounds, are entitled to the benefits of this rule.

Note 2.—Persons who have died on or after the 1st day of January, 1986 and could not exercise the option within the prescribed time limit be deemed to have opted for the revised scales on and from the 1st day of January, 1986 or such later date as is most beneficial to their dependents, if the revised scales are more favourable and in such cases, necessary action for payment of arrears should be taken by the Head of Office.

7. Fixation of initial pay in the revised scale.—(1) The initial pay of a Government servant who elects, or is deemed to have elected under sub-rule (3) of rule 6 to be governed by the revised scale on and from the 1st day of January, 1986, shall, unless in any case the President by special order otherwise directs, be fixed separately in respect of his substantive pay in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien if it had not been suspended, and in respect of his pay in the officiating post held by him, in the following manner, namely:—

(A) in the case of all employees.—

- (i) an amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale, subject to a minimum of Rs. 75, shall be added to the "existing emoluments" of the employee;
- (ii) after the existing emoluments have been so increased, the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed:

Provided that.—

- (a) if the minimum of the revised scale is more than the amount so arrived at, the pay shall be fixed at the minimum of the revised scale;
- (b) if the amount so arrived at is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.

Explanation.—For the purpose of this clause "existing emoluments" shall include.—

- (a) the basic pay in the existing scale;
- (b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and
- (c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale;

(D) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scale and where the existing scale with special pay has been replaced by a scale of pay without any special pay, the pay shall be fixed in the revised scale in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases "existing emoluments" shall include—

(a) the basic pay in the existing scale;

(b) existing amount of special pay;

(c) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and special pay admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and

(d) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and special pay under the relevant orders;

(C) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scales and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above with reference to existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance, and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale;

(D) in the case of medical officers who are in receipt of non-practising allowance, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases the term "existing emoluments" shall include only:—

(a) the basic pay in the existing scale;

(b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and non-practising allowance admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and

(c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and non-practising allowance under the relevant orders,

and in such cases, non-practising allowance at the new rates shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale.

Note 1.—Where a Government servant is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to these two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

The provisions of this Note shall apply, mutatis mutandis, to Government servants holding in an officiating capacity posts on different existing scales which have been replaced by a single revised scale.

Note 2.—Where the existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceed the revised emoluments in the case of any Government servant, the difference shall be allowed, as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 3.—Where in the fixation of pay under sub-rule (i) the pay of Government servants drawing pay at more than five consecutive stages in an existing scale gets bunched, that is to say, gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of these Government servants who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up to the stage

where such bunching occurs, as under, by the grant of increment(s) in the revised scale in the following manner, namely:—

- (a) for Government servants drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale—By one increment;
- (b) for Government servants drawing pay from the 11th upto the 15th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 10th stage—By two increments;
- (c) for Government servants drawing pay from the 16th upto the 20th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 15th stage—By three increments.

If by stepping up of the pay as above, the pay of a Government servant gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of a Government servant who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall also be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

Note 4.—Where in the fixation of pay under sub-rule (1) pay of a Government servant, who, in the existing scale was drawing immediately before the 1st day of January, 1986 more pay than another Government servant junior to him in the same cadre, gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped up to the same stage in the revised scale as that of the junior.

Note 5.—Where a Government servant is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986, which together with his existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), Clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceeds the revised emoluments, then, the difference representing such excess shall be allowed to such Government servant as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 6.—In the case of employees who are in receipt of personal pay for passing Hindi Pragma, Hindi Typewriting, Hindi Shorthand and such other examinations under the "Hindi Teaching Scheme", or, on successfully undergoing training in cash and accounts matters prior to the 1st day of January, 1986, while the personal pay shall not be taken into account for purposes of fixation of initial pay in the revised scales, they would continue to draw personal pay after fixation of their pay in the revised scale on and from the 1st day of January, 1986 or subsequently for the period for which they would have drawn it but for the fixation of their pay in the revised scale. The quantum of such personal pay would be paid at the appropriate rate of increment in the revised scale from the date of fixation of pay for the period for which the employee would have continued to draw it.

Explanation.—For the purpose of this Note, "appropriate rate of increment in the revised scale" means the amount of increment admissible at and immediately beyond the stage at which the pay of the employee is fixed in the revised scale.

Note 7.—In cases, where a senior Government servant promoted to a higher post before the 1st day of January, 1986 draws less pay in the revised scale than his junior who is promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay of the senior Government servant should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post. The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior Government servant subject to the fulfilment of the following conditions, namely:—

- (a) both the junior and the senior Government servants should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre.
- (b) the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical, and
- (c) the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of Fundamental Rule 22-C or any other rule or order regulating

pay fixation on such promotion in the revised scale. If even in the lower post, the junior officer was drawing more pay in the pre-revised scale than the senior by virtue of any advance increments granted to him, provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior officer.

The orders relating to refixation of the pay of the senior officer in accordance with the above provisions should be issued under Fundamental Rule 27 and the senior officer will be entitled to the next increment on completion of his required qualifying service with effect from the date of refixation of pay.

(2) Subject to the provisions of rule 5, if the pay as fixed in the officiating post under sub-rule (1) is lower than the pay fixed in the substantive post, the former shall be fixed at the stage next above the substantive pay.

8. Date of next increment in the revised scale.—The next increment of a Government servant whose pay has been fixed in the revised scale in accordance with sub-rule (1) of rule 7 shall be granted on the date he would have drawn his increment had he continued in the existing scale:

Provided that in cases where the pay of a Government servant is stepped up in terms of Note 3 or Note 4 or Note 7 to sub-rule (1) of rule 7, the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of twelve months from the date of stepping up of the pay in the revised scale;

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso, the next increment of a Government servant, whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986 at the same stage as the one fixed for another Government servant junior to him in the same cadre and drawing pay at lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier;

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st day of January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986;

Provided also that in the case of Government servants who were in receipt of an ad hoc increment on their stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986, one more increment in the revised scale shall be allowed to them on the 1st day of January, 1986, in addition to the increment already allowed under the preceding proviso.

Note 1.—Wherever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a Government servant had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

Note 2.—The benefit of additional increment under the fourth proviso will also be notionally admissible to a Government servant in the scale in which he would have got an ad hoc increment on his stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986 but for his holding higher officiating post, subject to the maximum of the revised scale not being exceeded, irrespective of whether he was actually in receipt of the ad hoc increment or not.

Note 3.—Where by the grant of two additional increments in terms of the third and fourth provisos in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a Government servant exceeds his officiating pay at any time, the Government servant may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds the officiating pay.

Note 4.—In cases where two existing scales, one being a promotional scale for the other, are merged, and the junior Government servant, now drawing his pay in the lower scale, is receiving personal pay for stagnating in that scale, and happens to draw more pay in the revised scale due to grant of additional increment under Notes 2 and 3 above, than the pay of the senior Government servant in the existing higher scale, the pay of the senior Government servant in the revised scale shall be stepped up to that of his junior from the same date and he shall draw next increment after completing the qualifying period from the date of such stepping up of pay.

9. Fixation of pay in the revised scale subsequent to the 1st day of January, 1986.—Where a Government servant continues to draw his pay in the existing scale and is brought over to revised scale from a date later than the 1st day of January, 1986, his pay from the later date in the revised scale shall be fixed under the Fundamental Rules and for this purpose his pay in the existing scale shall have the same meaning as of existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or Clause (D), as the case may be, of sub-rule (1) of rule 7 except that the basic pay to be taken into account for calculation of these emoluments will be the basic pay on the later date aforesaid and where the Government servant is in receipt of special pay or non-practising allowance, his pay shall be fixed after deducting from those emoluments an amount equal to the special pay or non-practising allowance, as the case may be, at the revised rates appropriate to the emoluments so calculated.

10. Fixation of pay on reappointment after the 1st day of January, 1986 to a post held prior to that date.—A Government servant who had officiated in a post prior to the 1st day of January, 1986 but was not holding that post on that date and who on subsequent appointment to that post draws pay in the revised scale of pay shall be allowed the benefit of the proviso to Fundamental Rule 22 or of the fourth proviso to Fundamental Rule 22-C, as the case may be, to the extent it would have been admissible had he been holding that post on the 1st day of January, 1986, and had elected the revised scale of pay on and from that date.

11. Mode of payment of arrears of pay.—Notwithstanding anything contained in these rules, the arrears of pay to which any Government servant may be entitled in respect

of the relevant period under these rules shall be paid to the Government servant either in cash or by crediting the same to the provident fund account of the Government servant or by crediting the same to a special savings account to be opened in the name of the Government servant or partly in cash and partly by all or any of the other modes aforesaid, as the President may, by order, determine in this behalf.

Explanation.—For the purposes of this rule—

(a) "arrears of pay", in relation to a Government servant, means the difference between—

(i) the aggregate of the pay and allowances to which he is entitled on account of the revision of his pay and allowances under these rules, for the relevant period; and

(ii) the aggregate of the pay and allowances to which he would have been entitled (whether such pay and allowances had been received or not) for that period had his pay and allowances not been so revised;

(b) "relevant period" means the period commencing on the 1st day of January, 1986 and ending with the 30th day of September, 1986.

12. Overriding effect of Rules.—The provisions of the Fundamental Rules, the Central Civil Services (Revision of Pay) Rules, 1947, the Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1960, and the Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1973 shall not, save as otherwise provided in these rules, apply to cases where pay is regulated under these rules, to the extent they are inconsistent with these rules.

13. Power to relax.—Where the President is satisfied that the operation of all or any of the provisions of these rules causes undue hardship in any particular case, he may, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions he may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

14. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of any of the provisions of these rules, it shall be referred to the Central Government for decision.

THE FIRST SCHEDULE

(See Rules 3 & 4)

PART—A

Revised scales for posts carrying present scales in Groups 'D', 'C' & 'B' except posts for which different revised scales are notified separately.

S. No.	Posts	Present scale	Revised scale	
1	2	3	4	
		Rs.	Rs.	
GROUP 'D'				
1.	All posts carrying present scales specified in Column 3.	(a) 160-2-170	750/- (Fixed)	Until the employees concerned are brought over on the regular scale after attaining the prescribed age of recruitment.
		(b) 180/- (Fixed)	—750-12-870-EB-14-940	
		(c) 196-3-220-EB-3-232		
		(d) 200-3-212-4-232-EB-4-240 (Selection Grade)		

1	2	3	4
2.	All posts carrying present scales specified in column 3,	(a) 200-3-206-4-234-EB-4-250 (b) 200-3-212-4-232-EB-4-240-5-250 (c) 210-4-226-EB-4-240 (d) 200-3-212-4-232-EB-4-240	775-12-955-EB-14-1025
3.	-do-	(a) 210-4-250-EB-5-270 (b) 210-4-230-EB-4-270 (c) 210-4-226-EB-4-250-EB-5-200	800-15-1010-EB-20-1150
GROUPS 'C' AND 'B'			
4.	-do-	225-5-260-6-200-EB-6-308	825-15-900-EB-20-1200
5.	-do-	(a) 225-5-260-6-326-EB-8-350 (b) 260-6-326-EB-8-350	950-20-1150-EB-25-1400
6.	-do-	(a) 260-6-290-EB-6-325-8-366-EB-8-390-10-400 (b) 260-6-326-EB-8-350	950-20-1150-EB-25-1500
7.	-do-	(a) 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430 (b) 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400	975-25-1150-EB-30-1540
8.	-do-	260-8-300-EB-8-340-10-360-12-480	975-25-1150-EB-30-1660
9.	-do-	320-6-326-8-330-10-400	1150-25-1500
10.	-do-	(a) 330-8-370-10-400-EB-10-450 (b) 330-8-370-10-400-EB-10-480	1200-30-1440-EB-30-1800
11.	-do-	(a) 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 (b) 330-10-350-EB-380-15-500-EB-15-560 (c) 330-8-370-10-400-EB-10-500-15-530 (d) 290-8-330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 (e) 290-10-350-EB-12-410-EB-15-500	1200-30-1560-EB-40-2040
12.	-do-	(a) 380-12-500-15-530 (b) 380-12-500-EB-15-560	1320-30-1560-EB-40-2040
13.	-do-	(a) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-620 (b) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640 (c) 425-15-530-EB-15-560-20-600 (d) 470-15-560-20-580	1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200
14.	-do-	(a) 425-15-560-EB-20-640 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (c) 455-15-560-EB-20-700	1400-40-1800-EB-50-2300
15.	-do-	(a) 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-640-EB-20-700-25-750 (c) 440-15-515-EB-15-560-20-700-EB-25-750 (d) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (e) 440-20-580-EB-25-700-EB-25-750	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600

1	2	3	4
16.	All posts carrying present scales specified in Col. 3	(a) 550-20-650-25-800 (b) 550-20-650-25-750 (c) 550-20-650-25-700 (d) 550-25-750	1600-50-2300-EB-60-2660
17.	-do-	(a) 500-20-700-EB-25-900 (b) 500-25-750-30-900 (c) 550-20-650-25-750-EB-30-900 (d) 550-25-900 (e) 550-25-750-EB-30-900	1640-60-2600-EB-75-2900
18.	-do-	(a) 650-30-740-35-880-EB-40-1040 (b) 700-30-760-35-900 (c) 650-30-740-35-880-EB-40-1040 (d) 775-35-880-40-1000	2000-60-2300-EB-75-3200
19.	-do-	550-30-710	2000-60-2120
20.	-do-	(a) 650-30-740-35-810-EB-35-830-40-1000-EB-40-1200 (b) 650-45-1010-EB-45-1100-50-1200 (c) 775-35-880-40-1000-EB-40-1200	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
21.	-do-	(a) 840-40-1000-EB-40-1200 (b) 840-40-1040	2375-75-3200-EB-100-3500

NOTE :—Except as otherwise provided, in the case of an employee drawing pay in the Selection Grade before the date of publication of these rules, his pay shall be fixed in the revised scale corresponding to such Selection Grade and the said pay shall be personal to such employee.

PART-B

Revised scales of pay for certain other Categories of Staff

Sl. No.	Posts	Present scale	Revised scale
1	2	3	4
		Rs.	Rs.
I. ENGINEERING STAFF			
1.	Junior Engineer (C.P.W.D.)	425-15-500-EB-15-550-20-700 550-25-750-EB-30-900 (Selection Grade)	1400-40-1800-EB-50-2300 1640-60-2600-EB-75-2900 (Promotional grade to be suitably redesignated and promotion to be made as per normal procedure.) 50% of the total number of posts of Junior Engineer will be in the lower grade of Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300 and the remaining 50% in the grade of Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

The existing incumbents in the Selection Grade will be allowed revised scale of Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900 as personal to them.

1	2	3	4	
	Rs.	Rs.		
IV. Accounts Staff in organised accounts cadres under Controller General of Defence Accounts, Controller General of Accounts and Departments of Posts and Telecommunications.				
1. Auditor (Selection Gr)/ Clerk Gr. I (S.G.)/ Senior Accountant/ Senior Accounts Clerk (SG)	425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	(This should be treated as a functional grade requiring promotion as per normal procedure) The existing incumbents in the Selection Grade will be allowed the revised scale of Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 as personal to them subject to the condition that juniors who have been allowed the existing non-functional Selection Grade in terms of extant orders will be placed in the revised scale of Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300 as personal to them. With the introduction of scale of Rs. 1400-2600 as a Functional Promotional Grade, the persons in the revised scale of Rs. 1200-2040 as also those in the scale of 1400-2300/1400-2600 will cease to be eligible for Special Pay which is now admissible to the Accountants (Junior/Senior) upto 10% of the sanctioned strength for doing work of complex nature.	
2. Section Officer (SG)/ Accountant (SG)/ Junior Accounts Officer (SG)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-EB-75-3200	(Functional Grade requiring promotion as per normal procedure) The existing incumbents in the Selection Grade will be allowed the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 as personal to them.	
V. TEACHING STAFF				
1. Primary School Teacher	330-10-350-EB-380-15-500-EB-15-560	1200-20-1560-EB-40-2040	Those teachers who are not in the existing scales of pay mentioned in Col. 3 may be given the revised scales mentioned in this Col. only after ensuring that they have the prescribed qualifications. Those who do not possess prescribed qualifications will be given the revised scales mentioned in Part 'A' of this Schedule, which correspond to their existing scales.	
2. Trained Graduate Teacher/Head Master, Primary School	440-20-500-EB-25-700-EB-25-750	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600		
3. Post Graduate Teachers/Head Master, Middle School	550-25-750-EB-30-900	1640-60-2600-EB-75-2900		
4. Primary School Teacher (SG)	530-20-630	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	The Selection Grade scales indicated in this column will be admissible only to those teachers who are already in the existing Selection Grade scales mentioned in column 3.	
5. Trained Graduate Teachers (SG)/ Head Master, Primary School (SG)	740-35-880	1540-60-2600-EB-75-2900		
6. Post Graduate Teacher(SG)/Head Master, Middle School(SG)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500		
7. Vice-Principal/Head Master	650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500		
VI. LABORATORY TECHNICIANS				
1. Laboratory Assistant (Directorate of Marketing and Inspection)	380-12-500-EB-15-560	1400-40-1800-EB-50-2300		
2. Junior Chemist (Directorate of Marketing and Inspection)	425-15-500-EB-15-560-20-700			
3. Laboratory Attendant (Central Revenue Control Laboratories)	225-5-260-6-290-EB-6-308	950-20-1150-EB-25-1400		
4. Laboratory Attendant (Central Revenue Control Laboratories (SG))	250-6-326-EB-8-350			

	Rs.	Rs.	
VII. MOTOR VEHICLE DRIVER			
Drivers of Motor Vehicles including Staff Cars.	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	} 950-20-1150-EB-25-1500	
VIII. OTHER CATEGORIES OF STAFF (COOK AND BEARER)			
Cooks/Cook Bearers/ Butlers/Bearers/ Attendants/Walters, etc.	1. 196-3-220-EB-3-232 2. 200-3-212-4-232-EB-4 240 3. 200-3-206-4-234-EB-4-250 4. 210-4-250-EB-5-270. 5. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290 6. 225-5-260-6-290-EB-6-308 7. 260-6-326-EB-8-350 8. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 9. 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400 10. 320-6-326-8-390-10-400 11. 330-8-370-10-400-EB-10-480 12. 380-12-500-EB-15-560	750-12-870-EB-14-940 775-12-955-EB-14-1025 800-15-1010-EB-20-1150 825-15-900-EB-20-1200 950-20-1150-EB-25-1500 1200-30-1440-EB-30-1800 1320-30-1560-EB-40-2040	The Ministries/Departments should review the work content of the posts carrying the scale of Rs. 225-308 so that they are classified as carrying either. The scale of Rs. 800-1150 or 950-1500. But the existing incumbents of these posts will continue in the revised scale of Rs. 825-15-900-EB-20-1200 as personal to them unless they are found fit for being placed in the scale of Rs. 950-1500.
IX. PARA MEDICAL STAFF			
1. Radiographers/X-Ray Technicians/Pharmacists	330-10-380-EB-12-600 EB-15-560	1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200	
2. S.G. Radiographers/X-Ray Technicians/Pharmacists (S.G.)	425-15-560-EB-20-640	} 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
3. X-Ray Technicians	425-15-500-EB-15-560-20-700		
4. Auxiliary Nurse and Midwife (ANM)	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	975-25-1150-EB-30-1540 (There will also be a promotional grade in scale of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 requiring promotion as per normal procedure.)	
5. Staff Nurses	(i) 425-15-560-EB-20-640 (ii) 425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
6. Nursing Sister	(i) 455-15-560-EB-20-700 (ii) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (iii) 550-20-650-25-700	1640-60-2600-EB-75-2900	
7. Nursing Staff (Supervisory)	(i) 550-20-650-25-750 (ii) 550-25-750-EB-30-900 (iii) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (iv) 700-30-760-35-900	2000-60-2300-EB-75-3200	
TEACHING SIDE			
Nurses (Teaching Staff)	(i) 425-15-560-EB-20-640 (ii) 455-15-560-EB-20-700 (iii) 550-20-650-25-750 (iv) 550-25-750-EB-30-900 (v) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (vi) 700-30-760-35-900	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 1640-60-2600-EB-75-2900 2000-60-2300-EB-75-3200	
X. VETERINARY OFFICERS			
Veterinary Officer	(i) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (ii) 550-20-650-25-750-EB-30-900 (iii) 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (In BSF/ITBP)	All posts for which a degree in veterinary science is the minimum qualification will be in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. Others will get the revised scales of pay mentioned in column 4 of Part 'A' of this schedule which are corresponding to their existing scales of pay.	

1	2	3	4
XI. CENTRAL SECRETARIAT STENOGRAPHERS SERVICE			
1. Duty posts included in Grade 'B' of CSSS	650-30-740-35-880-EB-40-1040	} 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500	There are Stenographers working in other Organisations which are not participating in the Central Secretariat Stenographers Service but where the posts are in comparable grades and pay scales and the method of recruitment through open competitive examination are also the same. Stenographers in these Organisations like Ministry of External Affairs may be allowed the same revised scale of pay mentioned in this column.
2. Duty posts included in Grade 'A' of CSSS	650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200		

THE SECOND SCHEDULE

Form of Option

[See Rule 6(i)]

* (i) I.....hereby elect the revised scale with effect from 1st January, 1986.

* (ii) I.....hereby elect to continue on the existing scale of pay of my substantive/officiating post mentioned below until :

* the date of my next increment
 the date of my subsequent increment raising my pay to Rs.
 I vacate or cease to draw pay in the existing scale.

Existing scale.....

Signature.....
 Name.....
 Designation.....
 Office in which employed.....

Date :
 Station :

*To be scored out if not applicable.

**MEMORANDUM EXPLANATORY TO THE CENTRAL CIVIL SERVICES
 (REVISED PAY) RULES, 1986.**

Rule 1 — This rule is self-explanatory.

Rule 2 — This rule lays down the categories of employees to whom the rules apply. Except for the categories excluded under clause (2), the rules are applicable to all persons under the rule making control of the President serving in Departments paid from Civil Estimates. They do not apply to the employees under the Ministry of Railways and Civilian personnel paid from Defence Services Estimates, for whom separate rules will be issued by the Ministries concerned. The rules do not also apply to Extra Departmental Agents in the Department of Posts and Department of Telecommunications. The rules, however, apply to work charged establishments.

Rule 3 — This rule is self-explanatory.

Rule 4 — In respect of such employees as are presently in Group 'B' or Group 'C' and for whom the Pay Commission has recommended scales as applicable to any category of Group 'A' employee, this rule shall not apply till such time as the scales applicable to such employees are notified.

Rule 5 — The intention is that all Government servants should be brought over to the revised scales except those who elect to draw pay in the existing scales. Those who exercise the option to continue on the existing scales of pay will continue to draw the dearness pay, dearness allowance, ad-hoc dearness allowance and Interim reliefs at the rates in force on the 1st January, 1986 and the dearness

pay will count towards house rent and compensatory allowances, emoluments for pensions, etc. to the extent it so counted on the said date. If a Government servant is holding a permanent post in a substantive capacity and officiating in a higher post or would have officiated in one or more posts but for his being on deputation etc., he has the option to retain the existing scale only in respect of one scale. Such a Government servant may retain the existing scale applicable to a permanent post or any one of the officiating posts. In respect of the remaining posts he will necessarily have to be brought over to the revised scales.

Explanation 3 to Rule 5.—As a Government servant will have the option to retain the existing scale in respect of only the substantive or any officiating post a Government servant who retains the existing scale in respect of his officiating post will be brought over to the revised scale in respect of his substantive post. In the revised scale of substantive post DP/ADA/ad-hoc DA stands merged in the revised pay, whereas in the officiating scale he will be allowed the existing rates of dearness pay and ADA/ad-hoc DA. If his pay were to be fixed in the existing scale of the higher officiating post with reference to the pay on the revised scale in the substantive post, it will give him the benefit of dearness allowance, dearness pay and interim relief twice over. The explanation is designed to avoid such unintended benefit.

Rule 6—This rule prescribes the manner in which option has to be exercised and also the authority who should be apprised of such option. The option has to be exercised in the appropriate form appended to the rules. It should be noted that it is not sufficient for a Government servant to exercise the option within the specified time limit but also to ensure that it reaches the prescribed authority within the time limit. In the case of persons who are outside India at the time these rules are promulgated, the period within which the option has to be exercised is three months from the date they take over charge of the post in India. In the case of Government servants the revised scales of whose posts are announced subsequent to the date of issue of these rules, the period of three months will run from the date of such announcement.

Persons who have retired between 1st January, 1986 and the date of issue of these rules are also eligible to exercise option.

Rule 7 (1)—This rule deals with the actual fixation of pay in the existing scales on 1st January, 1986. A few illustrations indicating the manner in which pay of Government servants should be fixed under this sub-rule subject to stepping up of pay under Notes below rule 7(1) are given below :—

Illustration No. 1

1. Existing scale of pay	— Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
2. Proposed scale of pay	— Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.
3. Existing basic pay	— Rs. 342.00
4. DP/ADA at index average 608	— Rs. 662.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 110.00
6. Existing emoluments	— Rs. 1114.50
7. Add 20% of basic pay subject to minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 1189.50
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 1200.00

Illustration No. 2

1. Existing scale of pay	— Rs. 550-20-650-25-750-plus special pay of Rs. 60/-
2. Proposed scale of pay	— Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 (without any special pay)
3. Existing basic pay plus special pay	— Rs. 700.00 + Rs. 60.00
4. DP/ADA at index average 608 on basic pay and special pay	— Rs. 1143.80
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 140.00
6. Existing emoluments	— Rs. 2043.80
7. Add 20% of basic pay	— Rs. 140.00
Total =	— Rs. 2183.80
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 2240/- (without any special pay)

Illustration No. 3

1. Existing scale of pay	— Rs. 210-4-250-EB-5-270 with special pay of Rs. 10/-
2. Proposed scale of pay	— Rs. 800-15-1010-EB-20-1150 with special pay of Rs. 20/-
3. Existing basic pay	— Rs. 230.00
4. DP/ADA at index average 608	— Rs. 463.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 100.00
6. Existing emoluments	— Rs. 793.50
7. Add 20% of basic pay subject to a minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 868.50
Pay to be fixed in proposed scale of pay	— Rs. 875.00 plus special pay of Rs. 20/-

Rule 7(2) — This follows the provisions of FR 31(2). It should be noted that the benefit of this rule is not admissible in cases where a Government servant has elected the revised scale in respect of his substantive post, but has retained the existing scale in respect of an officiating post.

Rule 8 — This rule prescribes the manner in which the next increment in the new scale should be regulated. The provisos to this rule are intended to eliminate the anomalies of junior Government servants drawing more pay than their senior by the operation of the substantive part of this rule and also taking care of the Government servants who have been drawing pay at the maximum of the existing scale for more than one year as on 1-1-1986 and also those Government servants who have been stagnating at the maximum of the existing scale and are actually in receipt of stagnation increment on ad hoc basis.

Rule 9 to 14 — These rules are self-explanatory.

Explanatory Memorandum :

The Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1986 have been made to implement the recommendations made by the Fourth Pay Commission with respect to the pay scales of Group 'B', Group 'C' and Group 'D' employees of the Government. Even though the Commission has suggested the revision of pay scales from 1st April, 1986, the Government has decided to give effect to such recommendations from 1st January, 1986 in order to provide greater benefit to the Government servants in general. Accordingly, the rules are being given retrospective effect from 1st January, 1986. It is certified that the retrospective effect being given to these rules will not affect adversely any employee to whom these rules apply.

[No. F.15(1)-IC/86]

A. RANGACHARI, Addl. Secy.